अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस 2023

स्रोत: पी.आई.बी.

चर्चा में क्यों?

अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस (23 सितंबर) के अवसर पर भारत सरकार ने **सुनने में अक्षम लोगों के लिये संचार और अभिगम्यता में सुधार** हेतु कई पहलें शुरू की हैं।

- सुनने में अक्षम लोगों के लिये पहलों में **ऑनलाइन भारतीय सांकेतिक भाषा** (ISL) **पाठ्यक्रम**, ISL में **वित्तीय क्षेत्र से संबंधित 267 संकेतों की शुरूआत**, **एक व्यापक ISL शब्दकोश**, **विशेष स्कूलों के लिये अनुकूलित पाठ्यक्रम** तथा बेहतर संचार के लिये **व्हाट्सएप-आधारित वीडियो रिले सेवा** शामिल है।

अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस:

- **परिचय:**
  - अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस एक वार्षिक कार्यक्रम है जो **विश्व के बधिर समुदायों की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देता है।**
  - वर्ष 2017 में **संयुक्त राष्ट्र महासभा** ने 23 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस मनाने के आधिकारिक दिन के रूप में घोषित किया।
  - यह बधिर समुदायों के जीवन में **सांकेतिक भाषाओं के महत्त्व और मानव विविधता** के एक अनिवार्य हिस्से के रूप में उनकी रक्षा करने की आवश्यकता के बारे में जागरूकता बढ़ाने का एक अवसर है।
  - विश्व में लाखों लोग संचार के प्राथमिक साधन के रूप में सांकेतिक भाषा का उपयोग करते हैं।
    - वे अपने स्वयं के व्याकरण और वाक्यविन्यास के साथ जटिल दृश्य-संकेत संचार प्रणालियाँ हैं।
- **2023 की थीम:**
  - एक ऐसी दुनिया जहाँ बधिर लोग कहीं भी हस्ताक्षर कर सकते हैं।
- **इतिहास:**
  - विश्व बधिर महासंघ (World Federation of the Deaf- WFD), जो बधिरों के 135 राष्ट्रीय महासंघों का एक संघ है, **ने पूरे विश्व के अनुमानित 70 मिलियन बधिर लोगों की ओर से इस दिन के लिये विचार प्रस्तावित किया।**
  - संयुक्त राष्ट्र में एंटीगुआ और बारबुडा के स्थायी मिशन ने **संयुक्त राष्ट्र के 97 अन्य सदस्य देशों के साथ मिलकर एक प्रस्ताव** प्रायोजित किया, जिसे दिसंबर, 2017 में सर्वसम्मति से अपनाया गया।
  - **वर्ष 1951 में** जब **WFD की स्थापना** हुई थी तो इस **दिन का सम्मान करने के लिये** 23 सितंबर की तारीख चुनी गई थी।
  - वर्ष 2018 में, बधिरों के अंतर्राष्ट्रीय सप्ताह के एक हिस्से के रूप में, **पहली बार अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस मनाया गया।**
- **बधिर लोगों की वर्तमान स्थिति:**
  - **विश्व बधिर महासंघ** के अनुसार, वर्तमान में विश्व में लगभग 70 मिलियन से अधिक लोग बधिर हैं।
  - उनमें से 80% से अधिक अविकसित देशों में रहते हैं। वे सामूहिक रूप से **300 से अधिक विभिन्न सांकेतिक भाषाओं** का प्रयोग करते हैं।